Badal Saraswat @badal_saraswat

Sep 19 21 · 36 tweets

#काँग्रेस_के_कुकर्म

अजति झा जी की रपिोर्ट ✍️ ✍️ ✍️

आपातकाल का साल आ चुका था। लेकनि भारतीय लोकतंत्र की हत्या की तारीख अभी कुछ महीने दूर थी। उससे पहले एक सर्द शाम बहिार के समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर ग्रेनेड ब्लास्ट होता है। इस धमाके में एक ऐसे शख्स की मृत्यु हो जाती है।

Read 👇 👇 👇
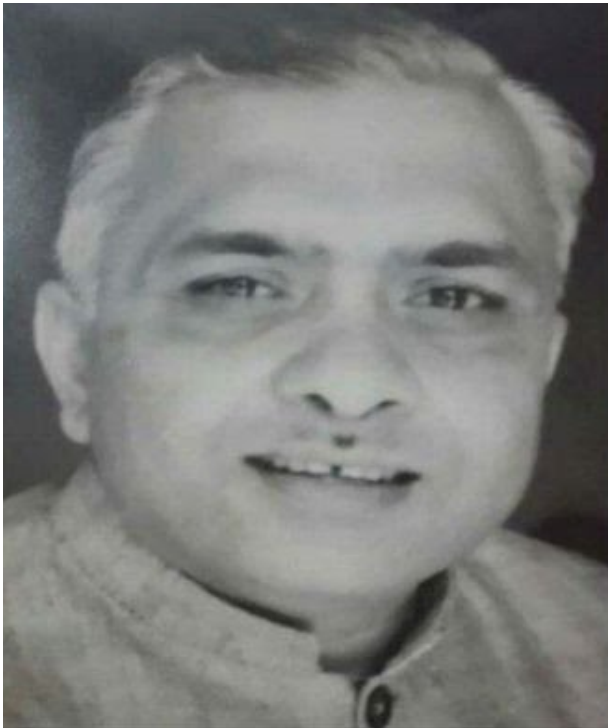
जो उस वक्त बहिार कॉन्ग्रेस के सबसे बड़े नेता थे,
जनि्हें कॉन्ग्रेस की राष्ट्रीय राजनीतमिें नंबर दो माना जाता था। हम बात कर रहे ललति नारायण मश्रि (LN Mishra) की।

मश्रि की जब हत्या की गई तब वे इंदरिा गाँधी की कैबनिट में रेल मंत्री हुआ करते थे। 2 जनवरी 1975 को उन पर हमला हुआ और

अगले दनि यानी 3 जनवरी को उनकी मृत्यु हो गई।इस मामले की तह तक जाने के लिए दो आयोग(मैथ्यू और तारकुंडे)बने।पर दोनों की रपिोर्टें एक-दूसरे से बल्किुल उलट। सीबीआई जाँच हुई।उस जाँच के आधार पर 2014 में 4 लोगों को ट्रायल कोर्ट ने सजा सुनाई। लेकनि इस पर पीड़ति परविार को ही भरोसा नहीं है।

भरोसा उनको भी नहीं है जो एलएन मश्रि की राजनीतिको जानते-समझते हैं। उस इलाके के लोगों को भी इस पर यकीन नहीं जहाँ मश्रि की हत्या हुई या फरि जसि क्षेत्र से राजनीतिकरते हुए वे राष्ट्रीय फलक पर छाए।

लहिाजा हाल ही में मश्रि के पोते वैभव मश्रि ने दल्लिी हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

इस याचकिा पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सीबीआई को एलएन मश्रिा हत्याकांड की दोबारा जाँच पर वचिार करने का नर्दिेश दयिा है।इसके लिए एजेंसी को छह सप्ताह का समय दयिा गया है।
वैभव ने ऑपइंडयिा को बताया कि इस संबंध में हमने नवंबर 2020 में सीबीआई से आग्रह कयिा था,लेकनि हमें कोई जवाब नहीं

मलिा।इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।
जसि मामले में ट्रायल कोर्ट सजा सुना चुकी है,उस मामले में दोबारा जाँच का आग्रह करने के पीछे की वजह के बारे में पूछे जाने पर वैभव स्पष्ट शब्दों में कहते हैं कि जिनि लोगों को दोषी बताया गया है उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है।

यह वह तथ्य है जसिका दावा इस मामले में आनंदमार्गयिों की गरिफ्तारी के बाद से लगातार होता रहा है।

☝ वीएम तारकुंडे और इंडयिन एक्सप्रेस की जाँच रपिोर्टों पर आधारति कतिाब 'हू कल्डि एलएन मश्रि' का हवाला देते हुए वैभव इस हत्या को 'राजनीतकि साजशि' बताते हैं। पॉपुलर प्रकाशन से 1979 में आई

आई "हू कल्डि एलएन मश्रि" भी इसके पीछे बड़ी राजनीतकि षड्यंत्र की बात करती है।
तारकुंडे की रपिोर्ट भी यही कहती है।

☝ लेकनि,फरवरी 1975 में जस्टसि 👉केके मैथ्यू👈के नेतृत्व वाली जाँच आयोग और सीबीआई की जाँच इससे उलट राय रखती है।
☝ सीबीआई की थ्योरी पर सवाल उठने के कई कारण हैं। इनका

तारकुंडे ने अपनी रपिोर्ट में वस्तिार से जक्रि कयिा है।

इस रपिोर्ट की माने तो हत्या के तार 👉कॉन्ग्रेस के शीर्ष परविार👈 और उस समय देश की प्रधानमंत्री रहीं 👉इंदरिा गाँधी👈तक जाती है। पूरे मामले में जसि तरीके से लीपापोती हुई,
बहिार पुलसि की जाँच में सामने आए तथ्यों की अनदेखी हुई

सीबीआई जाँच को लेकर जो हड़बड़ाहट दखिी, कथति तौर पर एक प्रधानमंत्री ने एक जलि जेल के "जेलर के प्रमोशन" को लेकर जो दलिचस्पी दखिाई,
उससे इन तथ्यों को बल मलिता है कि इस मामले की जाँच ही असल गुनहगारों को बचाने के मकसद से की गई।

इंदरिा के साथ एलएन मश्रि

इस हत्याकांड की जाँच पर उठने
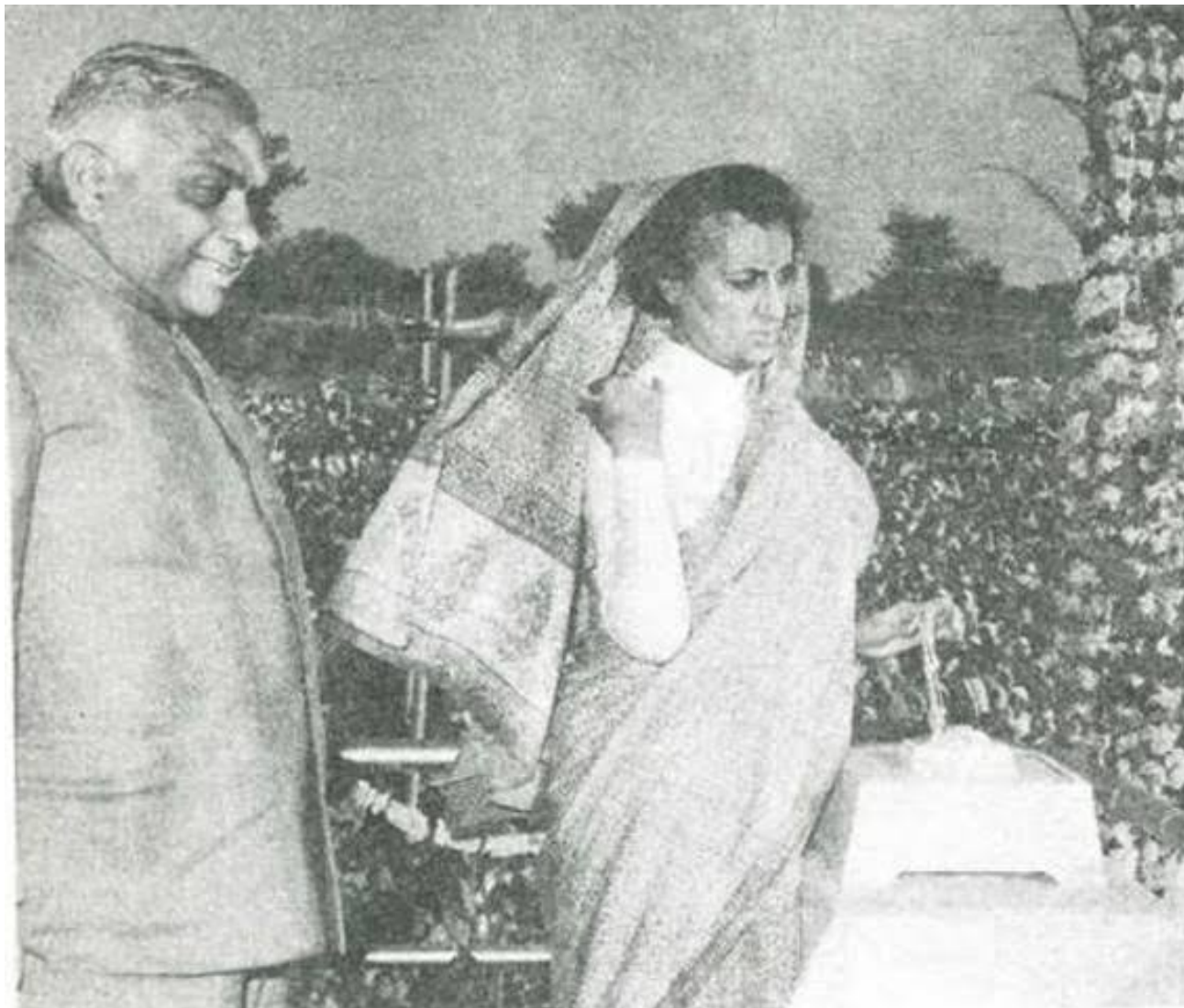
वाले सवालों और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदरिा गाँधी से इसके तार जोड़े जाने की वजहों को वसि्तार से जानने से पहले एलएन मश्रि के राजनीतकि रसूख पर नजर डालते हैं।
रेल मंत्री बनने से पहले एलएन मश्रि कॉन्ग्रेस सरकारों में कई जम्मिेदारी सँभाल चुके थे। कुछ लोग उन्हें एक ऐसे नेता के तौर पर

याद करते हैं जो संपर्कों और फंड जुटाने की अपनी काबलियित के कारण कॉन्ग्रेस में तेजी से चढ़े।
वहीं बहिार के मथिलिा क्षेत्र के लोगों का मानना है कि एलएन मश्रि की आकस्मकि मृत्यु ने पूरे इलाके को पछिड़ेपन की अँधी गली में ढकेल दयिा, जहाँ से वह आज भी उबर नहीं पाया है। बहिार के वरष्िठ

पत्रकार सुरेंद्र कशिोर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि मिथिलिांचल में कॉन्ग्रेस के पैर उखड़ने की एक बड़ी वजह भी यह हत्या ही थी। यहाँ तक कि एलएन मश्रि के छोटे भाई जगन्नाथ मश्रि को कॉन्ग्रेस द्वारा मुख्यमंत्री बनाए जाने को भी इस मामले को दबाने की नीयत से लयिा गया फैसला बताने वाले भी

बहुतेरे हैं।

☝️ एलएन मश्रि एक समय इंदरिा गाँधी के बेहद करीबी थे।
☝️ "हू कलि्ड एलएन मश्रि" बताती है कि 1974 के मध्य तक आते-आते दोनों के संबंधों में पहले जैसी गर्मजोशी नहीं रही थी। 👉 इंदरिा पर भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के आरोप लग रहे थे। 👈
अब उनके लएि मश्रि बोझ की तरह हो गए थे और

कथति तौर पर अपनी अपनी छवि बिचाने के लएि वे उनसे पीछा छुड़ाना चाहती थी।यह भी कहा जाता है कि एलएन मश्रि दसिंबर 1974 में जय प्रकाश नारायण से मलिे थे। इस तरह के हालात में 2 जनवरी 1975 को उन पर हमला हुआ था।

तारकुंडे रपिोर्ट बताती है कि हमले के बाद गरिफ्तार हुए अरुण कुमार ठाकुर ने इस

हत्या का मास्टरमाइंड ‘बॉस’ को बताया था। अरुण कुमार मश्रिा ने ‘बॉस’ की पहचान रामबलिास झा के तौर पर की जो वधिानपार्षद थे। वे उस कार्यक्रम में भी मौजूद थे जसिमें मश्रि पर हमला हुआ था।
तारकुंडे की रपिोर्ट रामबलिास झा के लंकि यशपाल कपूर से बताती है, जो इंदरिा गाँधी के सचवि थे।

ऑपइंडयिा से बातचीत में वैभव मश्रि ने बताया, “मैं कसिी का नाम नहीं लेना चाहता। लेकनि सब जानते हैं कि मेरे बाबा बड़ी हस्ती थे। उनकी इस तरह हत्या होना अपने आप में एक बड़ी कॉन्सपरिसी की तरफ इशारा करती है। उनकी हत्या के 6 महीने बाद इमरजेंसी लागू कर दयिा गया था।

चीफ जस्टसि रहे एएन रे

पर भी उसी दौरान इसी तरह हमला हुआ था। वे बच गए थे, लेकनि मेरे बाबा चल बसे। उस समय का माहौल ही ऐसा था जसिसे हमें लगता है कि यिह राजनीतकि साजशि थी।
तारकुंडे और इंडयिन एक्सप्रेस की रपिोर्ट भी यही कहती है।”

दलिचस्प यह है कि‘बॉस’का नाम लेने वाले दोनों अरुण इस मामले में बाद में छोड़ दएि

गए।हत्या के लिए जिम्मेदार जिन आनंदमार्गियों को ठहराया गया, उनको लेकर पीड़ित परिवार का मानना है कि उन्हें जान-बूझकर फँसाया गया। 🔚🔚🔚

काँग्रेस की शुरुआत से ये षड्यंत्रकारी नीति रही है कि जब भी कोई इस नेहरू गांधी खानदान के आगे आया किसी न किसी प्रकार उसे रास्ते से हटा ही दिया।

इस ललित नारायण मिश्र के केस में इतनी लीपापोती करने वाला अब ये के के मैथ्यू कौन है?
ये है के.एम. जोसफ (चीफ जस्टिस, उत्तराखंड) का बाप
☝ के के मैथ्यू को इंदिरा गाँधी ने इमरजेंसी के दौरान बिना किसी प्रक्रिया के बैक डोर से सुप्रीमकोर्ट का जज नियुक्त किया था...

जबकि के के मैथ्यू केरल

K. M. Joseph

Kuttiyil Mathew Joseph (born 17 June 1958) is a Judge of Supreme Court of India. He is former Chief Justice of Uttarakhand High Court.[1] Before his appointment as Chief Justice of the High Court of Uttarakhand on 31 July 2014, he had served as a Judge of Kerala High Court for more than 9 years.

Hon'ble Justice

Kuttiyil Mathew Joseph

Judge of Supreme Court of India

Incumbent

Personal details	
Born	17 June 1958 (age 63) Athirampuzha, Kerala, India
Alma mater	Loyola College, Chennai Government Law College, Ernakulam
Website	Supreme Court of India

Early life and education

Joseph was born in Kottayam, Kerala, India on 17 June 1958 to Justice K. K. Mathew and Ammini Tharakan. His father K. K. Mathew was a judge of the Supreme Court of India, and chairman of tenth Law Commission. He completed his secondary education from Kendriya Vidyalaya, Kochi and New Delhi. Later he joined Loyola College, Chennai, and Government Law College, Ernakulam for graduation and further studies.[1][2][3]

K. K. Mathew

Judge

Overview Books

K. K. Mathew was a Judge of the Supreme Court of India highly regarded for his scholarship and for his seminal contribution to the Constitutional and Administrative law in India. He later served as the Tenth Law Commission Chairman and also as the Chairman of the Second Press Commission. Wikipedia

Born: 3 January 1911, India

Died: 2 May 1992

Children: K. M. Joseph

Books: Three Lectures, Democracy, Quality and Freedom

में कांग्रेस का बड़ा नेता था...
ये कांग्रेस और इंदरि गाँधी का कतिना बड़ा चमचा था,इसका जीता जागता उदाहरण है कजिब ये रटिायर हुआ तब इंदरि गाँधी ने इसे "प्रेस कमशिन ऑफ़ इण्डयिा" का चेयरमैन बनाकर इसे कैबनिट मंत्री का दर्जा दे दयिा था...

समझे कुछ?जतिना कुरोदगे उतना ही सच बाहर आएगा

अब "कोलेजयिम प्रणाली" के बारे में तो आपको बता ही चुका हूँ, इसका काँग्रेस को फायदा ये हुआ कअिब बाप के बाद इसका बेटा लीपापोती करता है और एक और खास बात मोदीजी का वरिोधी है...
कुछ उदाहरण है इस "के एम जोसेफ" के कारनामे के...

1. राष्ट्रपति पर तंज कसने वाला उत्तराखंड हाईकोर्ट का जज

"के.एम जोसेफ" ये वही है जिसने अप्रेल 2015 मे सुप्रीम कोर्ट और नरेंद्र मोदीजी की अध्यक्षता में होने वाले सम्मेलन में ये कहते हुए आने से मना कर दिया था कि "गुड फ्राइडे" के दिन सम्मेलन क्यूँ रखा...?"

2. केरल में न्यायाधीश के तौर पर 2008 में इसने एक आदमी से "फ्रिज" की रिश्वत ली थी,

जिसकी वजह से "के एम जोसेफ" पर जुर्माना लगाया गया था,

3. कांग्रेस ने केरल में "के एम जोसेफ" को इसलिए जज बनाया था ताकि ये केरल की कांग्रेस सरकार को भ्रष्टाचार के तमाम मामलो से बचा सके और इसने ये किया भी...
पामोलीन घोटाले में तमाम सुबूतो के बावजूद भी इसने केरल के मुख्यमंत्री

"ओमान चंडी" को क्लीनचिट दी थी...

4.इसने केरल के सोलर घोटाले में जांच को ये कहकर ठुकरा दिया था कि सोलर केस में कोई घोटाला हुआ ही नही है इसलिए जाँच की जरूरत नही है।"

जबकि बाद में सुप्रीमकोर्ट ने जब जांच के आदेश दिए तो साबित हुआ कि "ओमान चंडी" ने सोलर कम्पनी से करोड़ो रूपये घूस
ली थी...

5. जब केरल में जोसेफ का पाप इतना बढ़ गया और ये साबित हो गया कि इसके अंदर का कांग्रेसीपन अब जगजाहिर हो गया है तो कांग्रेस ने इसको इसकी काँग्रेस के लिए की गई "सेवाओ" का ईनाम देते हुए इसे "नैनीताल/उत्तराखंड हाईकोर्ट" का चीफ जस्टिस बना दिया...

जबकि ये सीधे-सीधे नियमो के

खिलाफ था...
इसे केवल मात्र सिर्फ 10 सालो के अनुभव पर ही सीधे किसी हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस कैसे बनाया जा सकता है???

6. उत्तराखंड की हरीश रावत सरकार की सुनवाई के दौरान जब वो सीडी इसके सामने पेश की गयी,जिसमें हरीश रावत विधायकों की खरीदी कर रहे है और साथ में फोरेंसिक रिपोर्ट भी थी,

,तो इसने टप्पिड़ी कयिा था कयिुद्ध और प्यार में सब जायज होता है..
इसने वधिायको के खरीद फरोख्त जो आज एक भ्रष्टाचार है उसे ही जायज ठहरा दयिा...

बहिार के 46 साल पुराने मामले का जक्रि कर मांझी ने फैलाई सयिासी सनसनी, ललति नारायण मश्रिा हत्याकांड की नए सरि से जांच की मांग
Updated: Sep 19, 2021, 9:46 AM
Read 👇 👇 👇
google.com/amp/s/navbhara…

गुड फ्राइडे पर सम्मेलन पर ववािद 'दुर्भाग्यपूर्ण': प्रधान न्यायाधीश

प्रधान न्यायाधीश एचएल दत्तू ने रववािर को गुड फ्राइडे पर न्यायाधीशों का सम्मेलन आयोजति करने पर न्यायाधीश 👉 कुरयिन जोसेफ 👈 की आपत्तति पर खड़े हुए ववािद को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया
Read 👇 👇 👇 zeenews.india.com/hindi/india/co…

पामोलीन घोटाला मामला वापस लेगी केरल सरकार
दो दशक पुराना पामोलीन ऑयल आयात घोटाला मामला बंद कयिा जा रहा है। केरल के गृह सचवि ने मामले को वापस लेने का आदेश जारी भी कर दयिा है।

Updated Wed, 25 Sep 2013 08:40 PM (IST)
Read 👇 👇 👇
google.com/amp/s/m.jagran…

सोलर पैनल घोटाला : केरल के पूर्व सीएम ओमन चांडी के खलिाफ यौन उत्पीड़न मामले में सीबीआइ ने शुरू की जांच

Avinash RaiTue, 17 Aug 2021 11:09 PM (IST)

Read 👇 👇 👇
google.com/amp/s/m.jagran…

क्या है केरल का वो सोलर स्कैम जसिकी जांच अब CBI को सौंपी गई है?
Updated जनवरी 25, 2021 06:55 PM

Read 👇 👇 👇 google.com/amp/s/www.thel…

सौर ऊर्जा घोटाला: मुश्किल में फंसे ओमान चांडी, सीएम और ऊर्जा मंत्री के खिलाफ FIR के आदेश

Updated ज़ी मीडिया ब्यूरो Thu, 28 Jan 2016-4:09 pm,
Read 👇 👇 👇 google.com/amp/s/zeenews.…

हरीश रावत के खिलाफ CBI ने सौंपी रिपोर्ट, विधायकों के खरीद फरोख्त का है आरोप
सीबीआई ने नैनीताल हाईकोर्ट को उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के खिलाफ सीलबंद कवर में अपनी प्रारंभिक जांच की स्टेटस रिपोर्ट सौंप दी।

20 सितंबर 2019,10:23 PM IST
Read 👇
google.com/amp/s/www.aajt…

राष्ट्रपतिशासन का फैसला रद्द करने वाले उत्तराखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के. एम. जोसेफ का हुआ तबादला

जोसेफ ने केन्द्र सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा था कि राष्ट्रपति कोई राजा नहीं है जो उनकी हर सिफारिश को मंजूरी दी जाए।👈
Published:May 5,2016

Read 👇
google.com/amp/s/www.indi…

Source: https://twitter.com/badal_saraswat/status/1439633798694535181
Thread: https://twitter-thread.com/t/1439633798694535181